प्रकृति के नियमों का करें सदुपयोग

अरावली की श्रृंखला में खूबसूरत प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर ज्ञानसरोवर परिसर में चार दिवसीय सम्मेलन में प्रकृति व मानसिक नियमन से बने नये आयाम 'यौगिक खेती' पर हुआ मंथन। सबने माना, समय की मांग 'यौगिक खेती द्वारा स्वस्थ परंपराओं का बढ़ावा।'

ज्ञानसरोवर। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए मारूति सावंत, हरनाथ जगावत, ब्र.कु.मृत्युंजय, ब्र.कु. गीता, ब्र.कु.सरला, ब्र.कु.राजेन्द्र, ब्र.कु. ममता, ब्र.कु.रानी, ब्र.कु.राजू तथा अन्य।

ज्ञानसरोवर। प्रकृति मानव की सभी आवश्यकताओं को नियमानुसार पूरा करने में सक्षम है, बशर्ते प्राकृतिक नियमों के अनुरूप ही मानव उनका सदुपयोग करे। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के ग्रामीण विस्तार सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सेमिनार में महाराष्ट्र कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान परिषद के महानिदेशक मारूति सावंत ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग करने से बिगड़ता पर्यावरण संतुलन सबके लिए चिंता का विषय बन गया है। कृषि पर निर्भर रहने वाले गांववासियों को विकास के कठोर कदम उठाते हुए रासायनिक खादों का उपयोग बंद कर यौगिक खेती के माध्यम से कृषि उपज बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। वर्तमान ग्रामीण जीवन शैली को भी पाश्चात्य संस्कृति का ग्रहण लग चुका है। गांववासियों को अपनी प्राचीन भारतीय संस्कृति व सभ्यता को नहीं भूलना चाहिए।

ब्र.कु. मृत्युंजय,शिक्षा प्रभाग उपाध्यक्ष ने कहा कि भौतिकता की चकाचौंध के बावजूद अध्यात्म को जीवन में स्थान दिए जाने की ज़रूरत है। जैविक खादों के प्रयोग से अनाज की पौष्टिकता भी उच्च गुणवत्ता वाली होती है।

हरनाथ जगावत,एन.एम.सद्गुरु फाउण्डेशन निदेशक,दाहोद ने कहा कि रासायनिक खादों के प्रयोग से कैंसर जैसी व्याधियों में वृद्धि हो रही है। चरित्रवान किसान आध्यात्मिकता के ज़रिए प्राचीन कृषि व्यवस्था के अनुरूप कृषि गतिविधियों को बढ़ावा दे सकता है। देश में सबकुछ है, लेकिन एकता की कमी के चलते विकास की योजनाओं को मूर्तरूप देने में देरी लग जाती है।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सरला ने कहा कि गांवों की शोभा मेहनतकर्ता गांववासियों का जीवन नैतिकता जैसे जीवनोपयोगी मूल्यों से संपन्न होना ज़रूरी है। मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. राजू ने कहा कि गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए ग्रामवासियों को एकता के साथ आपसी सद्भाव, प्रेम, सुख, शान्ति आदि मूल्यों को महत्व देकर भारत को स्वर्णिम बनाने की संकल्पना को साकार करने के लिए आगे आना चाहिए। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. रानी ने कहा कि श्रेष्ठ संस्कारवान व्यक्ति का निर्माण स्वर्णिम ग्राम्य भारत निर्माण का आधार है। अध्यात्मवाद ही समाज को कुशल दिशा-निर्देश प्रदान कर बुराइयों से मनुष्य को मुक्त कर सकने की मनोस्थिति तैयार कर सकता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत ब्र.कु. ममता, ब्र.कु. गीता, अधिशासी सदस्य राजेन्द्र भाई आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

मलेशिया में हुआ भव्य एशिया रिट्रीट का निर्माण

एक सौ पैंतीस से अधिक देशों में राजयोग केन्द्र संचालित करके संयुक्त राष्ट्र संघ के स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन के अभियान को गति दे रही ब्रह्माकुमारी संस्था ने अब मलेशिया में विशाल एशिया रिट्रीट सेंटर की स्थापना की है। स्थानीय केन्द्र द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन ब्र.कु. डॉ. निर्मला,निदेशिका,ज्ञानसरोवर ने भव्य समारोह में किया। इस अवसर पर मलेशिया का सुप्रसिद्ध शेर नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात् श्रीफल अर्पित करते हुए डॉ. निर्मला ने ब्र.कु. चार्ली, ब्र.कु. लेचु तथा ब्र.कु. मीरा की दिव्य उपस्थिति में विधिवत उद्घाटन रस्म अदा की।

इस अवसर पर एशिया पैसेफिक रिट्रीट का आयोजन भी किया गया जिसमें 14 देशों के प्रतिनिधियों ने 5 दिन तक आध्यात्मिकता, स्थिरता व सद्भावना विषय पर विचार विमर्श करते हुए दुनिया में सुख शांति स्थापित करने की कामना की गई। एशिया रिट्रीट सेंटर तीन ब्लॉकों के रूप में स्थापित है, मुख्य ब्लॉक में विशेष रूप से मीडिया कर्मियों व बच्चों के लिए अलग कमरे बनाए गए हैं, जबकि राजयोग अभ्यास के लिए विशाल हॉल का निर्माण किया गया है जिसमें 1500 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। इस अवसर पर भेजे संदेश में संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी व संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी गुल्ज़ार ने कहा कि पूरे एशिया में इस केन्द्र की महक महसूस की जाएगी।

देश के उत्थान में ब्राह्मणों का कार्य अहम

ओ.आर.सी.। कार्यक्रम में सभा को सम्बोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी तथा राजयोग की गहन अनुभूति कराते हुए ब्र.कु. रंजना।

ओ.आर.सी.। ब्राह्मणों ने इस देश में स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राजनीतिक एवं सामाजिक निर्माण के हर कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उक्त उद्गार ओ.आर.सी. में ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि इस देश के उत्थान में ब्राह्मणों का कार्य सराहनीय रहा है।

डॉ. सी.पी.जोशी ने भी ब्राह्मणों को आगे आकर समाज हित में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण ही अपनी श्रेष्ठ शक्तियों के द्वारा इस समाज का परिवर्तन कर सकते हैं।

ब्र.कु. रजनी ने सभी को आत्मा के मूल स्वरूप का परिचय देते हुए कहा कि आज मानव के सबसे बड़े दु:ख का कारण स्वयं को न जानना एवं कथनी-करनी में महान अंतर होना है। उन्होंने कहा कि मानव इन्द्रियों के गुलाम होने के कारण हमेशा असन्तुष्टता एवं अशान्ति का अनुभव करता रहता है। अगर हम जीवन में सच्चा सुख एवं शान्ति का अनुभव करना चाहते हैं तो स्वयं के भीतर जाकर अपने आपको पहचानें। शान्ति वास्तव में हमारा स्वयं का स्वधर्म है, जितना हम अपने आंतरिक स्वरूप का अनुभव करते हैं, हमारा मन स्वत: ही शान्त होने लगता है।

ब्र.कु. रंजना ने सभी को राजयोग के गहन अभ्यास के द्वारा आत्मिक स्थिति का अनुभव कराया। इस कार्यक्रम में हरियाणा के कई जिलों के ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष, पुरोहित एवं विप्रजन उपस्थित थे। वृन्दावन से आये 105 पण्डितों के द्वारा परशुराम पूजन से कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ।

इस अवसर पर हरियाणा के प्रसिद्ध हास्यकवि अरुण जैमिनी, कवि महेन्द्र शर्मा एवं युसूफ भारद्वाज ने हास्य रचनाओं से सभी का मनोरंजन किया। गीत, संगीत एवं नृत्य के माध्यम से भी कलाकारों ने सबका मन मोह लिया। ब्राह्मण समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 1500 से भी अधिक लोगों ने भाग लिया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th July 2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।